GREENLAWNS HIGH SCHOOL
FINAL EXAMINATION YEAR 2017

SUBJECT : HINDI — CLASS : IX
TIME : 3 HOURS — MARKS : 80

Answer to this paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the **first 10 minutes**.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Section : **Section A and Section B**
Attempt **All** the questions from Section A
Attempt **any four** questions from Section B, answering at least one question each from the two books you have studied and any two other questions.
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ]

Section – A (40 marks)
(Attempt all questions)

प्रश्न १. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग २५० शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए- (१५)

१) अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम, भोजन, विश्राम एवं प्रसन्न मन का होना आवश्यक है। अपने विचार लिखिए।

२) घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाना एक नैतिक कर्त्तव्य है। एक ऐसे ही कर्त्तव्य का वर्णन कीजिए। जिसका पालन आपने किया है।

३) "पर्यटन हमारे ज्ञान और अनुभव वृद्धि में सहायक होता है।" इसपर अपने विचार लिखते हुए किसी स्कूल-पिकनिक का वर्णन कीजिए।,

४) "आलस्य मनुष्य का महान शत्रु है।" इस सुवाक्य पर एक मौलिक कहानी लिखिए।

५) नीचे दिए गए चित्र को देखकर उससे संबंधित जो विचार आपके मन में उठ रहे हों, उन्हे अपने शब्दों में लिखिए, पर ध्यान रहे, विषय का सीधा संबंध चित्र से होना चाहिए।

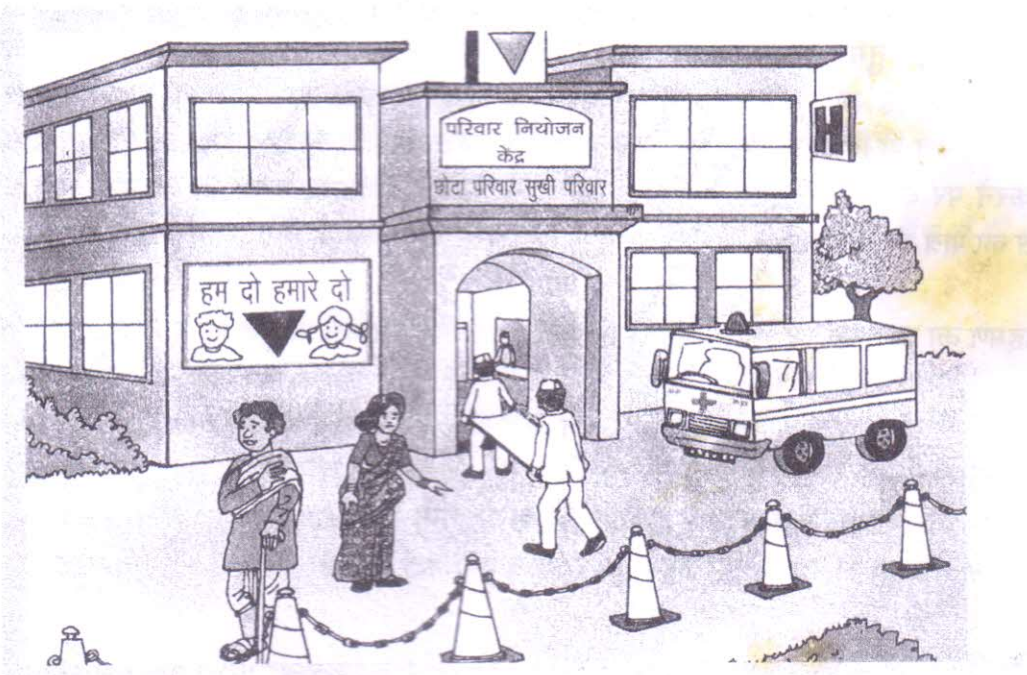

प्रश्न २. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए। (७)

१) आप छात्रावास (hostel)में रह रहे हैं। छात्रावास में रहने की व्यवस्था का पूर्ण वर्णन करते हुए अपने पिताजी को एक पत्र लिखिए।

२) अपने विद्यालय की प्रधानाचार्या को पत्र लिखकर विषय परिवर्तन की प्रार्थना कीजिए।

प्रश्न ३. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

उज्जयिनी नामक नगरी में देवशर्मा नामक एक ब्राह्मण रहता था। जिस दिन उसकी पत्नी ने एक पुत्र को जन्म दिया, उसी दिन एक नेवली को भी एक नेवला (बच्चा) उत्पन्न हुआ, किंतु नेवली उसको जन्म देने के उपरांत एक भयानक रोग के कारण स्वर्ग सिधार गई।, पुत्र-प्रेमी उस ब्राह्मणी ने अपने पुत्र के समान ही दुग्ध पान आदि क्रियाओं के द्वारा नेवली के उस बच्चे का पालन-पोषण भी किया। किंतु नेवले के प्रति अपार वात्सल्य – भाव रखते हुए भी वह ब्राह्मणी उस पर सदा संदेह करती थी कि जाति-दोष के कारण कहीं वह उसके पुत्र को कोई हानि न पहुँचा दे।

एक दिन वह ब्राह्मणी कोमल एवं चंदन से भी शीतल अपने पुत्र को शय्या पर सुलाकर अपने पति से बोली, ''ब्राह्मण! मैं जल भरने के लिए तालाब पर जा रही हूँ। तुम नेवले से बच्चे की रक्षा करना।'' ब्राह्मणी के चले जाने पर उसका पति भी घर को निर्जन छोड़कर भिक्षा के लिए बाहर चला गया। उसी बीच दुर्भाग्यवश एक काला सर्प बिल से निकला और ब्राह्मणी के पुत्र की ओर बढ़ने लगा। नेवला सर्प के मनोभाव को समझ गया। उसने ब्राह्मणी के पुत्र को सर्प से बचाने के लिए उसके साथ युद्ध किया और उसके टुकडे-टुकड़े कर दिए। उसका वध करके खून से लिप्त मुखवाला नेवला आनंदपूर्वक अपना कर्म बताने के लिए ब्राह्मणी के सम्मुख चला गया। ब्राह्मणी ने रुधिर से लिप्त उसके मुख को देखकर शंकितचित्त होकर सोचा-निश्चय ही इस दुष्टात्मा ने मेरे बच्चे को खा लिया है। ऐसा विचार कर क्रोध में आकर उसने नेवले के ऊपर जल के घड़े को फेंककर उसे मार दिया।

इस प्रकार नेवले को मारकर, पुत्रमृत्यु की आशंका से विलाप करती हुई जब वह अपने घर पर आई तो उसने देखा कि उसका बेटा पूर्ववत् शय्या पर सोया हुआ है और उसके समीप काले साँप के टुकडे पड़े हुए हैं। यह देखकर वह नेवले के वध के शोक से अपने सिर और छाती को पीटने लगी । उसे विलाप करते हुए देखकर ब्राह्मण ने कहा, ''तुमने अपने पुत्र की भाँति नेवलेका पालन-पोषण करते हुए उस पर उपकार करके भी उसके प्रति अकारण संदेह और अविश्वास किया और बिना विचारे उसकी हत्या करदी। अब विलाप करना व्यर्थ है। अविवेकी व्यक्ति ही बिना सोच-विचार के ऐसे कार्य में प्रवृत्त हुआ करता है। इस प्रकार के मानव को अविचारित कार्य करने पर केवल असफलता ही प्राप्त नहीं होती अपितु जीवनभर पश्चाताप का दुख भोगते हुए संसार में उपहास का पात्र भी बनना पड़ता है।''

क) ब्राह्मण का क्या नाम था? वह कहाँ रहता था? जिस दिन ब्राह्मणी ने पुत्र को जन्म दिया उस दिन और क्या घटना घटी? (२)

ख) ब्राह्मणी ने अपने पुत्र-समान किसका, किस तरह और क्यों पालन-पोषण किया? (२)

ग) ब्राह्मणी के घर में न रहने पर किसने क्या किया? और किसलिए किया? (२)

घ) ब्राह्मणी को किसपर क्या संदेह हुआ और उसके बाद उसने क्या किया? (२)

ड.) ब्राह्मण ने ब्राह्मणी को विलाप करते हुए देखकर क्या बातें कही? (२)

...3/-

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

१) निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए (१)

अकस्मात् , कुल।

२) किन्ही दो शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। (१)

अग्रज, स्वस्थ, नूतन, निर्मल

३) किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए- (१)

इंद्र, कपड़ा

४) भाववाचक संज्ञा बनाइए: (१)

मनुष्य, व्यक्ति

५) किसी एक मुहावरे से वाक्य बनाइए- (१)

१) अक्ल का अंधा २) घुटने टेकना

६) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तित कीजिए:- (३)

अ) इस काम का उत्तरदायी तुम्हारा है। (वाक्य को शुध्द कीजिए)

ब) प्रदीप बुरा व्यक्ति नहीं है। (बिना अर्थ बदले 'नही' को हटाइए)

क) मैं अपना काम पूरा करके ही टी.वी देखूँगा। (वाक्य में 'जब' और 'तब' का प्रयोग कीजिए।)

SECTION – B – 40 MARKS

साहित्य सागर- गद्य

प्रश्न ५. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

''पतंग आई। एक अँधेरे घर में उसमें डोर बॉधी जाने लगी। श्यामू ने धीरे से कहा, ''भोला किसी से न कहो तो एक बात कहूँ।''

१. श्यामू ने पतंग किससे मँगवाई ? उसका संक्षिप्त परिचय दीजिए। (२)

२. श्रोता ने वक्ता की योजना में क्या कमी बतलाई ? समझाकर लिखिए- (२)

३. श्यामू ने पतंग पर 'काकी' किससे लिखवाया और क्यों ? समझाकर लिखिए। (३)

४. कहानी का उद्देश्य लिखिए। (३)

प्रश्न ६. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

''स्त्री गालियाँ सह लेती है, मार भी सह लेती है, पर उससे मैके की निन्दा नहीं सही जाती। आनन्दी मुँह फेर कर बोली, ''हाथी मरा भी तो नौ लाख का। वहाँ इतना घी तो नित्य नाई-कहार खा जाते हैं।''

लालबिहारी जल गया। थाली उठाकर पटक दी और बोला, ''जी चाहता है, जीभ खींच लूँ।''

१) लेखक ने स्त्रियों के विषय में क्या विशेष रुप से कहा है ?अपने शब्दों में लिखिए। (२)

२) 'हाथी मरा भी तो नौ लाख का' इस कथन में आनंदी ने हाथी शब्द का प्रतीकात्मक प्रयोग किसके लिए किया है और क्यों ? समझाकर लिखिए। (२)

३) प्रस्तुत अवतरण में नोंक –झोंक किसके बीच हो रही है और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (३)

४) बेनी माधव सिंह ने किसका साथ दिया और क्यों ? स्त्रियों के प्रति उनके क्या विचार थे। समझाकर लिखिए। (३)

प्रश्न ७.निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो। और 'तुम मुझे खून दो——। वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।''

१) यहाँ किस मूर्ति की बात हो रही है और उसमें क्या कमी थी ? समझाइए। (२)
२) किसको, कौन सा प्रयास सफल और सराहनीय लगा और क्यों ? (२)
३) 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो - - -। कथनों को पूर्ण करते हुए उनके यहाँ कहने के आशय को स्पष्ट कीजिए। (३)
४) मूर्ति किसने किन परिस्थितियों में बनाई थी और क्यों ? स्पष्ट कीजिए। (३)

साहित्य सागर (पद्य विभाग)

प्रश्न ८.निम्नलिखित पद्यांश को पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

'' चाट रहे जूठी पत्तल वे कभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।
ठहरो, अहो मेरे ह्दय में है अमृत, मैं सींच दूंगा।
अभिमन्यु –जैसे हो सकोगे तुम,
तुम्हारे दुख मैं अपने ह्दय में खींच लूँगा।

१) भिक्षुक के बच्चों की दयनीय दशा का वर्णन कीजिए। (२)
२) ''कुत्ते भी है अड़े हुए'' – से कवि का क्या तात्पर्य है ? (२)
३) प्रस्तुत कविता का केन्द्रीय भाव लिखिए। (३)
४) कवि अपने ह्दय के अमृत से उन्हें कैसे सींचेगा ? स्पष्ट कीजिए (३)

प्रश्न ९. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

जाके प्रिय न राम वैदेही।
तजिए ताहि कोटि वैरी सम जद्पि परम सनेही।।
तज्यो पिता प्रहलाद, विभीषण बंधु , भरत महतारी।
बलि गुरु तज्यो, कंत ब्रज बनितह्नि, भय-मुद मंगलकारी।।
नाते नेह राम के मनियत, सुहुद सुसेव्य जहाँ लौं।
अंजन कहा आँख जेहि फूटै, बहु तक कहौं कहाँ लौं।।
तुलसी सो सब भाँति परमहित पूज्य प्रान ते प्यारो।
जासो होय सनेह राम-पद, एतो मतो हमारो।।

१) प्रह्लाद, विभीषण और भरत ने क्या किया और क्यों ? (२)
२) बलि ने अपने गुरु और ब्रज की स्त्रियों ने अपने पति का त्याग क्यों किया ?समझाकर लिखिए। (२)
३) 'अंजन कहा आँख जेहि फूटे' - तुलसी ने यह कथन क्या सिद्ध करने के लिए कहा है ? समझाकर लिखिए (३)
४) अर्थ लिखिए- (३)
सम, बंधु, कंत, नेह, अंजन, मतो

प्रश्न १० निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:-

गुरु गोबिन्द दोऊ खड़े काके लागू पाँय।
बलिहारी गुरु आपनों, जिन गोबिंद दियो बताय।।
सात समंद की मसि करौं, लेखनि सब बनराय।
सब धरती कागद करौं, हरि गुन लिखा न जाय।।

१) कबीर के सामने कौन-सी समस्या है ? समझाकर लिखिए। (२)
२) 'सात समंद की मसि करौं', का अर्थ लिखिए ? (२)
३) उपर्युक्त साखी का मूलाभाव लिखिए ? or मूल्यभाव ? / मूल भाव (३)
४) अर्थ लिखिए- (३)
दोऊ, काके, पाँय, मसि, कागद, बनराय।